महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

Azadi Ka Amrit Mahotsav

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

प्रो. संजीव कुमार शर्मा
माननीय कुलपति

कुलगुरु की लेखनी से .....

सृजन मूलतः प्रकृति का सहज स्वभाव है, नैसर्गिक गुण-धर्म है, सृष्टि का मूल आधार है। सृजन का सातत्य ही अनिवार्यतः मानवता के समग्र विकास एवं चतुर्मुख प्रगति का कारक-तत्त्व है। वस्तुतः मनुष्य में सृजनात्मक अभिवृत्ति, रचनात्मक प्रकृति एवं नवोन्मेष के प्रति आकर्षण प्रकृति प्रदत्त हैं। इन्हीं स्वाभाविक गुणों के कारण मानवता निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर होती रही है तथा इसी प्रगति आकांक्षा ने वर्तमान शताब्दी में विकास के नूतन प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारा विश्वविद्यालय भी रचनात्मकता एवं नवोन्मेष के स्थायी भाव से संयुक्त और अभिप्रेरित होकर अपनी स्थापना के छठे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। अभी गत अक्तूबर माह में हम सबने मिलजुलकर अपना पांचवां स्थापना दिवस समारोह ऊर्जस्विता के साथ धूमधाम से मनाया है। अपनी स्थापना के मात्र 5 वर्षों की अत्यन्त अल्प परंतु अविराम यात्रा में विश्वविद्यालय ने भारत ही नहीं वैश्विक पटल पर भी एक विशिष्ट पहचान अंकित की है। कोरोना जैसी वैश्विक आपदा के कारण उत्पन्न अवरोध को भी हमने एक उपस्थित अवसर के रूप में परिवर्तित कर ऑनलाइन शिक्षण, ई - ज्ञान श्रृंखला एवं ई - संगोष्ठी के माध्यम से देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। सम्प्रति इस विश्वविद्यालय में 20 विभाग एवं 17 शोध केंद्र क्रियाशील हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं लोक संस्कृति की वैविध्यपूर्ण अभिव्यक्ति प्रस्तुत करते विश्वविद्यालय के विविध अध्ययन एवं प्रशासनिक कक्ष, अकादमिक परिसर, सम्वाद सभागार एवं शोध केंद्र पुरातनता एवं आधुनिकता का एक ही स्थान पर बोध कराते प्रतीत होते हैं। नक्षत्रों, नदियों, ऋषियों, मनीषियों, कवियों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं वैज्ञानिकों के नाम पर नामकरण की परम्परा हमारे विश्वविद्यालय को वैशिष्ट्य एवं भारतीयता प्रदान करती है। नवीन सत्र के नवागंतुक शिक्षार्थी भी हमारे वृहद परिवार में सम्मिलित हो चुके हैं। सभी नव-प्रवेशित शिक्षार्थियों का अभिनन्दन एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं।

एक भारत श्रेठ भारत द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० संजीव कुमार शर्मा, प्रति कुलपति प्रो० जी. गोपाल रेड्डी , मुख्य वक्ता प्रो० रजनीश कुमार शुक्ल , कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, मुख्य अतिथि प्रो० राजनारायण शुक्ल , अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि प्रो० हिमांशु चतुर्वेदी , पूर्व-अध्यक्ष, इतिहास विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत उद्बोधन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संयोजक प्रो० रफीक उल इस्लाम ने दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो० संजीव कुमार शर्मा ने भारत की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की महत्ता को बताया। उन्होंने श्री राम के 353 स्थानों पर किये गए पद यात्रा का जिक्र करते हुए भारत की अखंडता के बारे में बताया। विश्वविद्यालय में अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने 18 अन्य राज्यों के शिक्षकों का उदाहरण देते हुए भारत की अनेकता में एकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रो० रजनीश कुमार शुक्ल ने एक भारत श्रेष्ठ भारत का उल्लेख करते हुए यह समझाने का प्रयास किया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत केंद्रित विषय कोई भाषण का नहीं बल्कि ये जीने का विषय है। श्रेष्ठ भारत की बहुलता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत यूनियन ऑफ स्टेट्स है ना कि फेडरेशन ऑफ स्टेट्स। प्रति कुलपति प्रो० रेड्डी ने भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल के किये गए उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हैदराबाद की अटल गाथा को याद किया। विशिष्ट अतिथि प्रो० हिमांशु चतुर्वेदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को पूरा करने की राह पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो० राजनारायण शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के महत्व एवं स्वतंत्रता में दिए बलिदान को याद किया। उन्होंने भाषा की ताकत को समझाते हुए, विविधता में एकता की बात कही। कार्यक्रम का संचालन एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. विश्वेश वाग्मी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उमेश पात्रा ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल अधिकारी प्रो. रफीक उल इस्लाम, सदस्या डॉ. प्रीति बाजपेयी, डॉ. स्वेता सिंह, सदस्य डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. भवनाथ पाण्डेय एवं डॉ. रश्मि श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ओएसडी एडमिन प्रो. राजीव कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. पवनेश कुमार, प्रो. शहाना मजूमदार, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. संतोष त्रिपाठी, प्रो. ब्रजेश पाण्डेय, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र एवं पीआरओ शेफालिका मिश्र सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, विद्यार्थीगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विभिन्न केंद्रों का उद्घाटन

पोषण वाटिका, क्षेत्रीय केंद्र वर्धा, एम. विश्वेश्वरैया उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र और काशी प्रसाद जायसवाल हिन्दू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी अन्तराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो० संजीव कुमार शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो० रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत प्रो० शर्मा ने प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। स्वागत उद्बोधन प्रो० आशीष श्रीवास्तव, निदेशक, महात्मा बुद्ध परिसर एवं अधिष्ठाता, शिक्षाशास्त्र संकाय ने दिया । प्रो० श्रीवास्तव ने कुलपति समेत सभागार में मौजूद सभी संकाय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों को एकता शपथ भी दिलाई। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्र की एकता और अखंडता के महानायक थे। उन्होंने जो विरासत हम सभी को सौंपी है उसको सुरक्षित और संरक्षित करना हम सभी का कर्तव्य है। मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश शुक्ल, कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें सरदार पटेल द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को याद तो दिलाती ही है, साथ ही साथ हमें एकता के बंधन में आबद्ध रहने की प्रेरणा भी देती है। प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने एकता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल के त्याग और देश के प्रति समर्पण को अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो० हिमांशु चतुर्वेदी, पूर्व-अध्यक्ष, इतिहास विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने सरदार पटेल के किये गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कश्मीर और हैदराबाद का जिक्र किया। वहीं प्रो० राजनारायण शुक्ल, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ ने स्वतंत्रता की लडाई में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अखंड भारत के निर्माण में अतुलनीय कार्य किया। राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के पूर्व पोषण वाटिका, क्षेत्रीय केंद्र वर्धा, एम. विश्वेश्वरैया उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र और काशी प्रसाद जायसवाल हिन्दू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा, प्रति-कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी एवं अतिथियों के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम में ओएसडी एडमिन प्रो. राजीव कुमार, प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. पवनेश कुमार, प्रो. शहाना मजूमदार, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न कर्मचारी, अधिकारी, विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

विश्वविद्यालय के महात्मा बुद्ध परिसर का उद्घाटन

विश्वविद्यालय के बनकट स्थित नवनिर्मित महात्मा बुद्ध परिसर का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा द्वारा किया गया। नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन समारोह मंत्रोच्चारण एवं हवन के साथ आरंभ हुआ। साथ ही कुलपति प्रोफेसर शर्मा ने विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में महर्षि कणाद अन्तः अनुशासनात्मक शोध केंद्र तथा गांधी भवन परिसर में डॉ.बी आर अंबेडकर शोध केंद्र का भी उद्घाटन किया। नवनिर्मित महात्मा बुद्ध परिसर के अंतर्गत कुलपति द्वारा छत्रपति शिवाजी लोक नीति शिक्षा केंद्र, आचार्य बृहस्पति सभागार अटल बिहारी वाजपेयी केंद्रीय पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया | कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने अटल बिहारी वाजपेयी केंद्रीय पुस्तकालय तथा नव-स्थापित शोध केंद्रों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला | प्रो.शर्मा ने कहा की नवनिर्मित शोध केंद्र और केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के कौशल विकास एवं उनके ज्ञान वर्धन के लिए स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान ओएसडी एडमिन प्रो.राजीव कुमार प्रॉक्टर प्रो. प्राणवीर सिंह, महात्मा बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो.आशीष श्रीवास्तव समेत विश्वविद्यालय के सभी संकायों के अधिष्ठाता, अध्यक्ष एवं शिक्षक गण तथा अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे |

सेल्फ फाइनेंस सीटों पर प्रवेश प्रारंभ

विवि में सत्र 2021-22 में प्रवेश हेतु पंजीकृत अभ्यर्थी अब सेल्फ फाइनेंस अथवा पेड सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीटों का 20 प्रतिशत अब पेड या सेल्फ फाइनेंस सीटों के रूप में स्वीकृति मिली है। यदि पीजी या यूजी में 33 सीटें है तो वहां 06 अभ्यर्थियों का और अधिक प्रवेश सेल्फ फाइनेंस व्यवस्था के तहत हो सकता। इसी तरह जहां 50 सीटें पूर्व निर्धारित है वहां पर 10 और अधिक सीटें सेल्फ फाइनेंस (स्ववित्त पोषित) के अंतर्गत प्रवेश दिए जा सकते है। प्रवेश समन्वय समिति के समन्वयक प्रो. संतोष त्रिपाठी, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं सम्बन्धित अधिकारियों को दिशा निर्देश और शुल्क संरचना प्रेषित कर दी गई है। प्रवेश समन्वय समिति के प्रो. पवनेश कुमार ने बताया कि प्रवेश की प्रक्रिया मेरिट के आधार पर हो रही है और इसमें वैसे छात्र भाग ले सकेंगे जिन छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2021-22 में जारी विज्ञापन के तहत मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए आवेदन किया है। सेल्फ फाइनेंस में विभिन्न पाठ्यक्रम के लिए अलग-अलग फीस निर्धारित किया गया है। शुल्क रेगुलर फीस के अतिरिक्त होगा। अर्थात सभी सेल्फ फाइनेंस या पेड सीटों में रेगुलर फीस के साथ स्ववित्तपोषित शुल्क को जोडकर लिया जायेगा। जिसमें परास्नातक के कोर्स एम. कॉम, एमए/एम.एससी. (मैथमेटिक्स) के लिए ₹10,000 प्रति सेमेस्टर, एम.ए के विभिन्न पाठ्यक्रमों इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस, सोशियोलॉजी, अंग्रेजी, हिंदी, गांधीयन एंड पीस स्टडीज, संस्कृत, एजुकेशन, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के लिए ₹10,000 प्रति सेमेस्टर के साथ रेगुलर फीस भी देय होगा। स्नातक के कोर्स बी.एल. आई.एससी., बीए(जेएमसी), बी.कॉम (ऑनर्स) के लिए भी ₹10,000 प्रति सेमेस्टर, एमएससी (फिजिक्स/केमिस्ट्री) के लिए ₹15,000 प्रति सेमेस्टर, एम.एल.आई.एससी., एम ए(जेएमसी) के लिए ₹20,000 प्रति सेमेस्टर, एम. एस. डब्लू. और एम.टेक (कंप्यूटर साइंस) के लिए ₹25,000 प्रति सेमेस्टर, एम.एससी. लाइफ साइंस (बायोटेक, बॉटनी, जूलॉजी) के लिए ₹30,000 प्रति सेमेस्टर, एमबीए के लिए ₹35,000 प्रति सेमेस्टर और बीटेक के लिए ₹50,000 प्रति सेमेस्टर फीस स्ववित्त पोषित शुल्क निर्धारित है। उक्त सभी पाठ्यक्रमों में भी स्ववित्तपोषित शुल्क के साथ रेगुलर फीस भी अभ्यर्थी को देना होगा।

एम. विश्वेश्वरैया उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र के समन्वयक बने प्रो. पवनेश कुमार

विश्वविद्यालय में नवस्थापित 'एम. विश्वेश्वरैया उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र' के समन्वयक महामना मदन मोहन मालवीय प्रबंध एवं वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. पवनेश कुमार कुमार को बनाया गया है। केंद्र का उद्घाटन राष्ट्रीय एकता दिवस पर कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा, प्रति-कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी एवं अतिथियों के कर कमलों द्वारा किया गया। समन्वयक प्रो. पवनेश कुमार ने बताया कि केंद्र उद्यमिता और कौशल विकास को समर्पित है। इसके तहत शहरों के साथ ग्रामीण लोगों को भी जोडने का प्रयत्न होगा और उन्हें उद्यमिता और विभिन्न कौशल का प्रशिक्षण दिया जायेगा। पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में अनेक ऐसे रोजगार होते है जो कौशल के अभाव में यथोचित स्थान नहीं बना पाते। कार्यशाला , प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन होगा जिससे उद्यमिता और कौशल विकास के क्षेत्र में बेहतर परिणाम आ सके। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा एवं प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने प्रो. पवनेश को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र उत्कृष्ट कार्य करेगा। प्रो. पवनेश कुमार को ओएसडी एडमिन प्रो. राजीव कुमार सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

वैश्विक परिदृश्य में गांधी पर संगोष्ठी

विश्वविद्यालय में गांधी जयंती और स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वैश्विक परिदृश्य में गांधी मूल्यों का पुनर्पाठ विषयक संगोष्ठी का आयोजन चाणक्य परिसर, जिला स्कूल स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में किया गया। कार्यक्रम भौतिक एवं अभाषी दोनों माध्यम से हुआ। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की। प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. यादव, निदेशक, गांधी अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र और विशिष्ट अतिथि प्रो. पुष्पा मोतियानी, पूर्व संकायाध्यक्ष, गांधी दर्शन एवं शांति शोध केंद्र, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद थी। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि गांधी वैश्विक पटल के अनोखे शीर्ष राजनीतिज्ञ थे। उनके विचार और मूल्य के पुनर्पाठ से हम बहुत कुछ सीख सकते है। जब चारों ओर अशांति का वातावरण हो उस समय गांधी के विचार सबसे नजदीक, सरल व उत्कृष्ट मार्गदर्शक के रूप में हमारे सामने उपस्थित होते है। हम अपने को पहचान न पाए हो लेकिन पश्चिमी देश के लोगों ने हमें पहचान लिए है। गांधी जी के पग जिधर पडे उधर रास्ते बनते गए। यदि हम गांधी को देवत्व का दर्जा देते है तो यह मान लीजिए कि हम बौद्धिक असुरक्षा को आत्मसात किए है। गांधी को गांधी ही रहने दीजिए। वह सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन के सर्वोत्तम मानक के रूप में पहले की अपेक्षा आज अधिक पहचाने जाने लगे है। मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. यादव ने कहा कि गांधी युग पुरुष है। भारत को यदि शीर्ष पर लाना है तो गांधी के मूल्य और सिद्धान्त को अपनाना है। शक्ति सत्ता की प्राप्ति और उनकी एवं भौतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग गांधी के बताएं रास्ते पर चलकर बेहतर ढंग से कर सकते है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सह गांधी दर्शन विभाग एवं शांति शोध केंद्र गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो.पुष्पा मोतियानी ने अपने उद्बोधन के दौरान गांधी जी के मूल्यों और आदर्शों का जिक्र किया तथा उनके विचार एवं रचनात्मकता प्रकाश डाला ।उन्होंने ममत्व से सम्तव की ओर जाने की बात कही। उन्होंने कहा -जिस प्रकार विस्तारवादी नीति के उद्देश्य बदल चुके हैं ऐसी स्थिति में कई समस्याओं का हल गांधीजी के मूल्यों से ही होगा। साथ ही प्रो. पुष्पा ने गांधी जी के फाइव पी को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि गांधी जी मानते थे की देश की आजादी को खतरा पढे लिखे संवेदनहीन लोगों से है। स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक सह गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.सुनील महावर ने बापू के सत्य,अहिंसा, प्रेम और विश्वास के मूल्यों की चर्चा की तथा कहा की गांधी के मूल्य हिंसा से शांति की ओर ले जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह ने किया। गांधी एवं शांति अध्ययन की तरफ से संयोजित एक पुस्तक का भी माननीय कुलपति ने विमोचन किया। कार्यक्रम में गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के जुगुल किशोर दाधीच, डॉ. असलम खान, डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी, शोध एवं विकास के डीन प्रो. संतोष त्रिपाठी, चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्रो. पाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रो. आशीष श्रीवास्तव बने महात्मा बुद्ध परिसर के निदेशक

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसरों में एक और विस्तार हुआ है। बनकट स्थित गांधी भवन के समीप शैक्षणिक गतिविधि के सुचारू संचालन के लिए एक और परिसर बनाया गया है। कुलपति ने महात्मा बुद्ध परिसर नाम से नवनिर्मित इस परिसर के निदेशक शिक्षाशास्त्र संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आशीष श्रीवास्तव को नियुक्त किया है। प्रो. आशीष श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के विभिन्न समितियों में भी अपनी सेवाएं दे रहे है। विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने प्रो. आशीष श्रीवास्तव को बधाई देते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में परिसर का चहुँमुखी विकास होगा। प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने भी प्रो. श्रीवास्तव को बधाई प्रेषित की है। ओएसडी एडमिन प्रो. राजीव कुमार, शिक्षाशास्त्र में एसो. प्रो. मुकेश कुमार, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. मनीषा रानी, डॉ. पैथलोथ ओमकार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने प्रो. श्रीवास्तव को बधाई दी है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

विश्वविद्यालय का पंचम स्थापना दिवस समारोह

सीमित संसाधनों के बाद भी प्रगति पथ पर विवि : प्रो. सुनयना सिंह

विश्वविद्यालय के पंचम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कुलपति एवं प्रति कुलपति के द्वारा हवन-पूजन से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनयना सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. शैलेश झाला एवं प्रो. राजेश खराट शामिल हुए वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई एवं अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट की गई। स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रति कुलपति जी गोपाल रेड्डी ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के प्रारंभिक दौर में है, हमें ये तय करना है कि आने वाले 20 वर्षों में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान क्या हो। मुख्य अतिथि प्रो. सुनयना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सीमित संसाधनों के बावजूद भी नित्य नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के नाम में ही बहुत बडी सच्चाई छुपी हुई है। विशिष्ट अतिथि प्रो शैलेश झाला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विजिटर के नॉमिनी के नाते मैं आपके ही विश्वविद्यालय के परिवार का सदस्य हूं तथा इस सुदूर क्षेत्र के विकास में विश्वविद्यालय का योगदान सराहनीय है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रगति में वहाँ के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान होता है और मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह विश्विद्यालय नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या ओएसडी प्रशासन प्रो. राजीव कुमार ने प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रस्मिता रे ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रो.जनार्दन प्रसाद चंपारण के वंदनीय नाम: कुलपति

विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में गाँधी जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर चंपारण के सुविख्यात अर्थशास्त्री, समाजसेवी एवं पत्रकार स्वर्गीय श्री जनार्दन प्रसाद के पुत्र श्री.राजकिशोर प्रसाद ने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव कुमार शर्मा को दस लाख रुपए का चेक प्रदान किया। श्री. राजकिशोर ने यह निवेदन किया कि इस धनराशि का उपयोग उनके पिता के नाम पर विश्वविद्यालय में एंडोमेंट की स्थापना में किया जाए। प्रो.जनार्दन प्रसाद चंपारण के वंदनीय नाम हैं। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से हजारों लोगों का उत्थान किया एवं जिले के मुंशी सिंह महाविद्यालय में अपनी सेवा दी। जरूरतमंद विद्यार्थियों के प्रति अथाह प्रेम का ही नतीजा है कि उनके पुत्र राजकिशोर प्रसाद विश्वविद्यालय में अपने पिता के नाम पर छात्रवृत्ति एवं पदक स्थापित करना चाहते हैं। इस अवसर पर महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि प्रो. जनार्दन प्रसाद इंडोमेंट फंड से अर्थशास्त्र विभाग में पदक की स्थापना की जाएगी। यह पदक अर्थशास्त्र के एम. ए. के विद्यार्थी को प्रदान किया जायेगा। इसी इंडोमेंट फंड से ही संस्कृत विभाग में प्रोफ़ेसर जनार्दन प्रसाद छात्रवृत्ति की स्थापना की जाएगी, जिसमें संस्कृत के एम. ए. के मेधावी छात्र को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। माननीय कुलपति प्रो. शर्मा ने स्वर्गीय जनार्दन प्रसाद के पुत्र एवं अधिवक्ता राज किशोर प्रसाद एवं उनके परिवार को इस पुनीत कार्य के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। माननीय कुलपति ने कहा कि प्रोफ़ेसर जनार्दन प्रसाद के विचारों को जीवन्तता प्रदान करने के लिए परिवार का यह प्रयास निश्चित रूप से उनकी पुण्य आत्मा के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद की पौत्री सुश्री पारुल ने स्मृतियों को याद करते हुए आज के दिन को गर्वित क्षण बताया। यह इंडोमेंट फंड विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संरक्षण में रहेगा जिसके समन्वयक संस्कृत विभाग के सह आचार्य एवं उप कुलानुशासक डॉक्टर अनिल प्रताप गिरि होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल प्रताप गिरी ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त पदाधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती समारोह आयोजित

चम्पारण की भूमि स्तुत्य है-प्रो. शर्मा

विवि में गांधी जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी भवन, बनकट स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माननीय कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा एवं प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी एवं अन्य गणमान्य लोगों द्वारा माल्यार्पण, प्रार्थना एवं भारतीय परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन से हुआ। विभिन्न कार्यक्रमों की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने सर्वप्रथम महात्मा गांधी की 152 वीं जयंती एवं भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर स्मरण करते हुए सबको बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी न्याय और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने वाले व्यक्ति थे। गांधी जयंती हम सब को अच्छे और नेक बनने के लिए प्रेरित करता है। यह दिन बापू के विचारों को आत्मसात करने का एक सुनहरा अवसर भी प्रदान करता है। प्रो. शर्मा ने कहा कि चंपारण की भूमि महात्मा गांधी के प्रारंभिक सफलता की प्रयोगशाला भी है। स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय राजनीति को एक दिशा प्रदान करने में चम्पारण की भूमि स्तुत्य है। अंत में उन्होंने प्रतिभागियों एवं मार्गदर्शन में लगे शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के बाद गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए..' , 'रघुपति राघव राजा राम..' , ' ठुमक चलत राम चन्द्र...' , ' मैं तो राम रतन धन..' और ' श्री राम चन्द्र कृपाल भजन... ' गाकर स्वेता (एम. ए अंग्रेज़ी), प्रियम (बी. कॉम) और सुप्रभा डे द्वारा गायन की सुंदर और मनमोहक प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति में नील विजय नामक नाटक का मंचन हुआ, जो महात्मा गांधी के चंपारण यात्रा तथा नील की खेती (तीनकठिया प्रथा) पर आधारित था। जिसमें ज्योत्सना, अपूर्वा, स्वेता और उनके अन्य विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेज़ी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रातः 10 बजे से गांधी अध्ययन विभाग द्वारा पोस्टर, भाषण तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता गांधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने की। पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन तीन सदस्यीय जज (पैनल) द्वारा किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, डॉ दिनेश व्यास एवं डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने किया। निबन्ध प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. राजेन्द्र सिंह और डॉ. बिमलेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। निबन्ध लेखन में कुल 13 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता का मूल्यांकन अर्थशास्त्र के डॉ के .सी प्रधान, राजनीति विज्ञान के डॉ. नरेंद्र आर्य तथा प्रबंध विज्ञान विभाग की डॉ. अलका लल्हाल ने किया। इसमें कुल 10 छात्रों ने भाग लिया। गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने गांधी के मूल्यों पर प्रकाश डाला एवं आभार प्रकट किया। उक्त सभी कार्यक्रम गांधी भवन, बनकट में आयोजित हुए। कार्यक्रम में ओएसडी प्रशासन प्रो. राजीव कुमार, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. पवनेश कुमार, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. राजेन्द्र सिंह बडगूजर, प्रो. अजय कुमार सिंह, प्रो. बृजेश पाण्डेय, डॉ. अंजनी कुमार झा, प्रो. त्रिलोचन सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह, पीआरओ शेफालिका मिश्रा सहित विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शोधार्थी, विद्यार्थी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

भौतिक विज्ञान विभाग ने ई-प्रश्नोत्तरी का किया आयोजन

विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव के अधीन राष्ट्रीय ई-प्रश्नोत्तरी श्रृंखला के क्रम में क्वांटम यांत्रिकी एवं लेज़र भौतिकी विषय पर भौतिकी की समझ शीर्षक पर पहला ई-प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया। माननीय कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने इस कार्यक्रम का आभासीय माध्यम से उद्घाटन किया और इस आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। देश भर के विभिन्न प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों जैसे बीएचयू, आईआईटी, एनआईटी, डीयू, केंद्रीय / राज्य विश्वविद्यालयों के 300 से अधिक प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साह के साथ इस आयोजन में अपनी सहभागिता की। इस ई-क्विज़ श्रृंखला का उद्देश्य भौतिक विज्ञान विषय के बुनियादी समझ को बढ़ाना है और स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के बीच इस विषय की रुचि पैदा करना है, जिससे छात्र की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सके और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं जैसे नेट/गेट/जेस्ट आदि परीक्षाओं की ओर उन्मुख किया जा सके। इसके अलावा, आने वाले दिनों में भौतिक विज्ञान के अन्य मुख्य क्षेत्रों विशेष रूप से सॉलिड स्टेट फिजिक्स, क्लासिकल मेकैनिक्स, आणविक एवं परमाणु भौतिक विज्ञान, , उष्मगतिकी भौतिक विज्ञान और सांख्यिकीय भौतिकी आदि क्षेत्रों की समझ को विकसित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन को जारी रखा जाएगा। यह निश्चित रूप से विद्यार्थियों को अपने विषय ज्ञान का आकलन करने और विषय जनित समझ को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार गुप्ता, प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी, प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, डॉ. नीलाभ श्रीवास्तव, डॉ. पवन कुमार और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा (आयोजन सचिव) उपस्थित थे।

टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय और टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। कार्यक्रम चाणक्य परिसर के राजकुमार शुक्ल सभागार में हुआ। इस मौके पर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के प्रभारी डॉ रविकांत सिंह और प्रति कुलपति जी. रेड्डी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. रविकांत सिंह ने कहा कि यह दोनों भारतीय संस्था उत्तर बिहार के उन्नति और संवर्धन के लिए निरंतर क्रियाशील रहेगी। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई की एक इकाई है और यह टाटा मेमोरियल सेंटर की 10 वीं शाखा है। इस संस्था से पूरे उत्तर बिहार के लोगों को कैंसर के इलाज के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पडेगा। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि हमारा विश्वविद्यालय हमेशा दूसरे संस्था और विश्वविद्यालयों के साथ काम करे इससे ज्ञान का आदान प्रदान होगा और दोनों संस्थाएं उन्नति करेंगी। यह समझौता दोनों संस्थाओं के लिए ऐतिहासिक घडी है, इसके सुखद परिणाम हमें निकट भविष्य में देखने को मिलेंगे। इस मौके पर मैनेजमेंट साइंस के अधिष्ठाता प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि मैनेजमेंट और सोशल साइंस से हमारे फैकल्टी और उनके प्रोफेसर हमारे यहां आएंगे। इससे यहां पढ रहे बच्चों को एक विकसित माहौल मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलका लल्हाल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और टाटा मेमोरियल सेन्टर से बडी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेशानुभूति कार्यक्रम भारत का ऐक्य है-प्रो.संजीव कुमार शर्मा

विश्वविद्यालय के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रकोष्ठ द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में 'प्रदेशानुभूति' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो.संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रदेशानुभूति श्रृंखला कार्यक्रम केवल मात्र भौगोलिक दूरियों को जोडने का माध्यम नहीं है अपितु भारतवर्ष की वैभवशाली परंपरा से परिचित कराने का, आत्ममूल्यांकन करने का मार्ग है। विराट संस्कृतियों की यह थाती हमारी शक्ति है। 'प्रदेशानुभूति' कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आज 'हरियाणा' राज्य की विरासत एवं संस्कृति केंद्र में थी, जिसकी सुंदर प्रस्तुति प्रो. राजेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा संकाय तथा विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग ने दी। प्रो. सिंह ने पीपीटी के माध्यम से हरियाणा राज्य की महान विरासत एवं संस्कृति से हमें जोडा। हरियाणा देश का प्रमुख राज्य है जिसका समृद्ध इतिहास है। विविध जातियों, संस्कृतियों और धर्मों को संजोए इस राज्य ने अपनी सामाजिक लोक परंपराओं को संरक्षित किया है। प्रो.सिंह ने हरियाणा राज्य के गौरवशाली इतिहास, साहित्य, खान-पान, वेशभूषा, लोक-संस्कृति एवं जीवन-उत्सव की झांकी प्रस्तुत की। स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रो.रफ़ीक उल इस्लाम, नोडल अधिकारी, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रकोष्ठ ने कार्यक्रम श्रृंखला के मूल उद्देश्य से सभी को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एक राष्ट्र की अवधारणा सांस्कृतिक है। देश के विभिन्न प्रदेशों की समृद्ध संस्कृति, विरासत, खान-पान, हस्तकलाओं और रीति-रीवाजों को प्रदर्शित करना प्रदेशानुभूति कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं सदस्य, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' प्रकोष्ठ तथा मंच संचालन डॉ. बिमलेश कुमार, अध्यक्ष,अंग्रेजी विभाग ने किया। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. पवनेश कुमार, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. अजय कुमार गुप्ता, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. बृजेश पाण्डेय, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. जुगुल किशोर दधीचि, डॉ. प्रीति वाजपेयी, डॉ. दिनेश व्यास, डॉ. अलका लल्हाल, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. विश्वेश वाग्मी, डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. भवनाथ पाण्डेय आदि शिक्षक, मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी कार्यक्रम से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से जुडे रहें।

संस्कृत विभाग के शोधछात्र रोहित का हुआ प्रवक्ता पद पर चयन

विश्वविद्यालय में नवस्थापित संस्कृत विभाग अपनी स्थापना के बाद निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। यह विभाग 23 मई 2021 में स्थापित हुआ और अपनी अकादमिक गतिविधियों से निरन्तर देश-विदेश में एक पहचान बनाया है। परिणामस्वरूप संस्कृत विभाग में सत्र 2020-21 में देश के ख्यातिलब्ध विश्वविद्यालयों- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी शोध कार्य हेतु मेधा सूची में स्थान प्राप्त किये। विभाग विद्यार्थियों के कौशल विकास के साथ-साथ छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा हेतु भी निरन्तर कार्य करता रहा है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रसून दत्त सिंह के नेतृत्त्व में विभाग के सभी शिक्षक समेकित रूप से विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य के साथ उन्हें रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण में दक्ष करने का प्रयास करते रहे। इसी का परिणाम है कि मात्र 2 वर्ष का यह विभाग अपने विभाग में छात्र-छात्राओं की संख्या दहाई के आँकडे तक पहुँचाने के साथ दो विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित पद पर नियुक्ति दिलाने में भी सफल रहा है। विभाग के एम.फिल. छात्र मनीष कुमार झा बिहार राज्य के वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं तथा शोधरत छात्र रोहित ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा प्रवक्ता पद पर चयनित होकर विभाग की प्रतिष्ठा बढाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने विभाग के शोधछात्र रोहित को प्रवक्ता पद पर चयनित होने पर बधाई व शुभकामनाएँ दी। विभागाध्यक्ष सहित सभी शिक्षकों ने भी अपने छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ दी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

विश्वविद्यालय के पंचम स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के पंचम स्थापना दिवस के अवसर पर बनकट स्थित गांधी भवन के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की। प्रतिकुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा कृष्ण कुमार सिंह विवि के पूर्व कुलपति प्रो. शैलेश झाला एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. राजेश खराट, डीन, मानविकी, मुंबई विवि मौजूद थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने के लिए सबका धन्यवाद किया तथा इस दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी विभागों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों सहित विवि के समस्त परिवार को बधाई और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में शामिल विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। स्थापना दिवस समारोह के विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र भी माननीय कुलपति एवं अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम अरविंद कुमार, द्वितीय मनीषा कुमारी एवं तृतीय अमित कुमार कुशवाहा को पुरस्कृत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः माधुरी सिंह, गुलशन कुमार एवं ऋषभदेव शुक्ला विजयी रहे। साथ ही निबंध प्रतियोगिता में गुलशन कुमार प्रथम, अमृत राज द्वितीय एवं रविन्द्र कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संबोधन में विशिष्ट अतिथि प्रो. राजेश खराट ने इतने कम दिनों में विवि की प्रगति के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. शर्मा की दूरदर्शिता की तारीफ की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने किया । कार्यक्रम में बीएचयू, अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. निधि शर्मा मौजूद थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. बिमलेश कुमार सिंह डॉ. अनुपम वर्मा द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में ओएसडी प्रशासन प्रो. राजीव कुमार, प्रो. राजेन्द्र सिंह बडगूजर, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. आत्रत्रण पाल सहित विभिन्न विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं सैकड़ों की संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पवनेश कुमार ने किया।

महर्षि पाणिनि ज्ञान - वाङ्मय शोधपीठ का कुलपति ने किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय में महर्षि पाणिनि ज्ञान - वाङ्मय शोधपीठ का उद्घाटन एवं नामकरण समारोह का आयोजन किया गया । शोधपीठ का लोकार्पण कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने किया । साथ ही विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. जी.गोपाल रेड्डी का भी सानिध्य मिला। स्वागत उद्बोधन केंद्र के समन्वयक डॉ. भवनाथ पाण्डेय ने दिया। उद्बोधन के दौरान कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने महर्षि पाणिनि के लघु जीवन वृत को सभी के समक्ष रखा तथा अटल बिहारी वाजपेयी लाईब्रेरी में स्थापित इस शोध केंद्र की सराहना भी की । उन्होंने कहा कि इस शोध केंद्र के माध्यम से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से विश्वविद्यालय के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के कौशल विकास को एक नया आयाम मिलेगा। इस केंद्र के माध्यम से सूचना एवं ज्ञान के विभिन्न स्वरुपों का अध्ययन एवं उसपर आधारित वाङ्मय के तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण सुचारू रूप से हो सकेगा। केंद्र के समन्वयक एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ भवनाथ पाण्डेय ने बताया की इस शोध केंद्र का उद्देश्य ज्ञान आधारित वाङ्मय का अध्ययन, वर्गीकरण, मूल्यांकन एवं मापन करना है। साथ ही ज्ञान को निर्धारित करने वाले तत्वों का सृजन व उनका मूल्यांकन करना भी है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि भविष्य में केंद्र की योजना ज्ञान-वांग्यमय पर केंद्रित एक शोध पत्रिका के प्रकाशन, सेमिनार, कार्यशाला के आयोजन का है। कार्यक्रम में ओएसडी प्रशासन प्रो. राजीव कुमार, पुस्तकालय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रंजीत कु. चौधरी , डॉ. सपना देवी, डॉ. नरेंद्र सिंह, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा, कुलपति की निजी सचिव कविता जोशी की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी केन्द्रीय पुस्तकालय के सदस्य रोबिन, रोहित, शेखर, अनिश समेत अन्य मौजूद रहे।

संस्कृति संसद 2021, वाराणसी में सम्मानित हुए मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थी

विश्वविद्यालय में सुश्रुत औषध उद्यान एवं वनस्पति वीथिका का कुलपति ने किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सुश्रुत औषध उद्यान एवं वनस्पति वीथिका का कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने उद्घाटन किया। साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पादप दान एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षो रक्षति रक्षित: के मूलमंत्र को फलीभूत करना कार्यक्रम का मूल्य उद्देश्य रहा। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। आने वाले समय में जब यह पौधे वृक्ष का आकार लेंगे तो हमें आज के समय की महत्ता का एहसास होगा। पौधरोपण कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी भी मौजूद रहे। अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, प्रो. शहाना मजूमदार ने कहा कि जल के साथ-साथ पौधे मानव जाति के अस्तित्व के लिए सबसे आवश्यक घटक हैं। क्योंकि वे हमारे जीवन श्रोत आक्सीजन का उत्पादन करते हैं। हमारे जीवन को बनाए रखने वाले तत्व के उत्पादक होने के अतिरिक्त, यह प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग करके पानी के संरक्षण, वर्षा में मदद करने, नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने, वन्य जीवन और कृषि का समर्थन करने, लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करने और क्षेत्र के लिए फेफड़ों के रूप में कार्य करके वायु गुणवत्ता में सुधार करते हैं। पौधों के बिना मानव जाति का अस्तित्व नहीं हो सकता। पादप दान एवं पौध रोपण कार्यक्रम का संयोजन प्रो.शहाना मजूमदार ने किया। कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने एक-एक पौधा दान किया है। पौध रोपण कार्यक्रम में बीएचयू अर्थशास्त्र विभाग में प्रो. निधि शर्मा, ओएसडी प्रशासन प्रो. राजीव कुमार , गांधी भवन परिसर निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. राजेन्द्र सिंह बडगूजर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

Azadi Ka Amrit Mahotsav

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

रश्मि पाण्डेय
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय वर्ष)

कहते हैं स्वतंत्र है हिंदुस्तान

दुश्मनों ने मचाया था कोहराम
बनाया था हमारे देश को गुलाम
धरती मांग रही थी अपने प्रति प्रेम का प्रमाण
रंग दिया रक्त से वीरो ने हिंदुस्तान
तब स्वतंत्र हुआ अपना हिंदुस्तान

सर झुकाया नहीं, हार मानी नहीं
आजाद हिंद के लिए कटाया हजारों ने अपने सर को
लडें अपनी धरती, अपने वतन के लिए
तब स्वतंत्र हुआ अपना हिंदुस्तान

लेकिन आज 75 साल बाद
फिर हुआ है देश शिकार
हो रहा धरती माँ का तिरस्कार
माँ, बहन, बेटियाँ हो रहीं हैं हवस का शिकार
फिर भी कहते है स्वतंत्र है हिंदुस्तान

21वीं सदी विज्ञान और विकास को समर्पित है
फिर भी बहन, बेटी दहेज के लिए पीडित है
बेईमानी और भ्रष्टाचार ने गरीबों को लूटा है
नेताओं के लालच ने गरीब के ख्वाबों को फूँका है
फिर भी कहते हैं स्वतंत्र है हिंदुस्तान

गीता पुराण में दर्शाया है
स्त्री जाति को महान बतलाया गया है
फिर भी भ्रूण हत्या जैसा महा पाप बन गया है मामूली बात
बेटा- बेटी अभी नहीं है एक समान
कहते हैं स्वतंत्र है हिंदुस्तान

मैं पूछती हूं कैसे स्वतंत्र है हिंदुस्तान
जहां सब जाति नहीं है एक समान
आज भी देश में मच रहा है कोहराम
जाति के आधार पर हो रहा है
शासक का चुनाव, राजनीतिक
षड्यंत्रो का हुआ है देश शिकार
कहते हैं स्वतंत्र है हिंदुस्तान

विश्वविजय कुमार
बीटेक, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग

मैं माँ को ही मानता हूँ

बचपन में माँ कहती थीं
कुछ होते हैं बुरी नज़र लगाने वाले,
कुछ होते हैं खुशियों में सताने वाले...
यकीं मानों, मैं पुराने ख़्यालों वाला नहीं हूँ |
मैं शकुन -अपशकुन को भी नहीं मानता,
मैं माँ को जानता हूँ,
मैं माँ को ही मानता हूँ |

मैंने भगवान को भी नहीं देखा,
देखा तो सिर्फ मैं माँ को देखा,
हाँ, मैं नास्तिक हूँ, मैं नास्तिक हूँ ।
मैं किसी भगवान को नहीं मानता,
देखा तो सिर्फ मैं माँ को देखा,
मैं माँ को जानता हूँ ।
मैं माँ को ही मानता हूँ ||

लक्की कुमार
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय वर्ष)

ये वक़्त भी गुजर जाएगा

ये वक़्त भी गुज़र जाएगा,
दुःख के बाद फिर सुख आएगा ।
किसी को क्या पता,
परमाणु बम भी काम नहीं आएगा ।
इंसान हथियार या औज़ारों से नहीं,
एक अति, सूक्ष्म वायरस से मारा जाएगा ।
प्रकृति ने जो दी है,
जल और वायु, को भी खरीदा जाएगा।
इंसान ऑक्सीजन के लिए दर-ब-दर भटकेगा,
फिर भी अपनों को जीवित ना देख पाएगा ।
आज ऑक्सीजन के बिना सांस अटकी है,
तो कल बचपन बड़ा होकर कैसे जी पाएगा।
समय रहते यदि चेतना जागी,
तो आने वाली पीढ़ी के लिए,
आक्सीजन और पानी का स्रोत छोड़ जाएगा ।
देखते ही देखते ये वक़्त भी गुज़र जाएगा।

साक्षी कुमारी
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय वर्ष)

वो काली रात, वो बस का सफर

वो काली रात, वो बस का सफर,
वो हॉल की मूवी, वो दोस्तों का प्यार।
पर कौन जानता था कि उस दिन मेरी जिंदगी में कुछ ऐसा होने वाला है जिसके बाद मैं जिंदा तो रहूंगी पर जी नहीं पाऊंगी।
वो सूनी सड़क, वह जिस्म के भूखे दरिंदे,
वो तन्हा सफर,
वो बस का इंतजार।
बस आई और उस पर मैं और मेरा एक दोस्त सवार हो गए। चलती बस में उन 5 जल्लादों के अलावा सिर्फ मैं और मेरा एक दोस्त अकेले सवार थे। बस चलती रही सुनसान रास्तों की तलाश में दरिंदे दांत पिजाए बैठे थे। आखिर वे अपनी मकसद में कामयाब हुए और जी भर के मेरे जिस्म के हर भाग को नोचा - खसोटा, और वो मेरा अकेला दोस्त भी क्या करता बेचारा, एक रॉड की चोट से ही चोटिल कहीं कोने में पडा था।
वो भयावह जगह, वो डरी हुई आँखें,
वो घबराया दिल, वो थिरकते पैर।
उम्मीद थी कहीं से कोई तो आकर मुझे इन जल्लादों से बचा ले पर उसका तो स्वप्न भी देखना व्यर्थ था क्योंकि मैं कितना भी चीख लूँ पर मेरी आवाज तो किसी तक पहुँचेगी ही नहीं, और अगर गलती से पहुँच भी गई कोई इस मामले में पडना नहीं चाहेगा और लोग उलट मुझे ही दोष देंगे, न जाने किसके साथ मुँह काला करवाई है। घर वालों का हाल भी कुछ ऐसा ही होगा, समाज के डर से पुलिस को बताएंगे भी नहीं।
बस यहीं सब चलता रहा मन में।
वो दरिंदों की नजर, वो समाज का डर,
वो परिवार की चाह, वो माँ - पापा का प्यार।
मेरी ज़िंदगी में उस काली रात को तो इतना बडा तूफान आया कि अब जीना तो नामुमकिन ही था और अगर जीना चाहती भी तो समाज मुझे जीने नहीं देती, मेरी इलाज तो काफी अच्छे अस्पताल में हो रही थी, हर संभव कोशिश की गई कि मैं ठीक हो जाऊँ, पर अब इस दुनिया में मेरे लिए कोई जगह नहीं थी और मुझे जीने की चाहत भी नहीं थी, हकीकत यहीं थी।
तो फिर इस दुनिया को अब अलविदा कहने का वो आखिरी समय था।
सबसे अपने लिए न्याय की माँग कर मैंने आखिरी साँस ली और मेरी आँखें हमेशा के लिये बंद हो गईं
वो ज़िन्दगी का सफर, वो हसीन पल,
वो आखिरी पल, वो न्याय की उम्मीद।

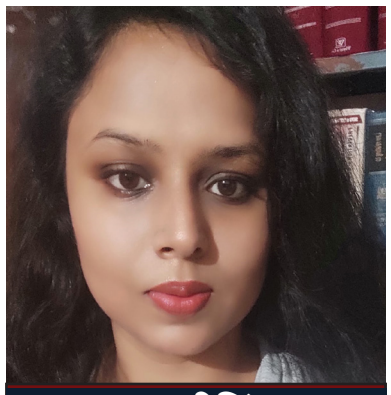

अपूर्वा सिंह
राजनीति विज्ञान विभाग

नारी हूँ कमज़ोर नहीं...

नारी हूँ कमज़ोर नहीं,
स्वाभिमानी हूँ और अभिमानी भी मैं |
जननी हूँ जीवन भी मैं,
सशक्त हूँ और साकार भी मैं |
नारी हूँ, कमज़ोर नहीं ||
नारी के है रूप अनेक
सभी युगों और कालों में है
इनकी शक्ति का उल्लेख,
नारी हूँ कमजोर नहीं |
नारी हूँ नारायणी भी,
ममता रूपी सागर भी मैं |
काव्य-संगीत और सौरभ सौंदर्य,
की अनुपम प्रतिभा भी मैं |
नारी हूँ कमजोर नहीं ||
शक्ति का ही दिया हुआ,
शांति का ही एक रूप हूँ मैं ।
नारी हूँ कमजोर नहीं ||

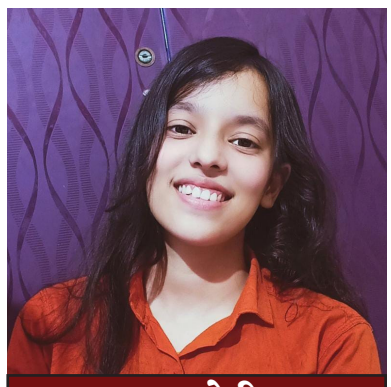

प्रभा द्वेदी
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय सत्र)

भाषा क्या है ?

यही न जिससे हम एक दूसरे को अपनी बातों को साझा कर पाए
या ऐसा कुछ जिससे खुद की काबिलियत को देख पाए?

माना अंग्रेजी जानना इस युग में जरूरी है
पर ऐसा तो नहीं कि उसके बिना जिंदगी अधूरी है

भाषा ही है न वह बस
हमारे ज्ञान का प्रमाण तो नहीं ?
किसी के भविष्य को आंक सके ऐसा
सफलता का एकलौता मार्ग तो नहीं ?
हमारा अभिमान तो नहीं

हजारों भाषाओं की तरह , अंग्रेजी भी तो मात्र एक भाषा है
फिर इसको इतना सम्मान क्यों
बाकी भाषाओं का इतना अपमान क्यों?

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

Azadi Ka Amrit Mahotsav

मयि श्रीः श्रयतां यशः

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021

गुंजन शर्मा
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय सत्र)

ना जाने क्यूं..

आंखों में नमी
होठों पर उदासी है,
ना जाने क्यूं वो ऐसी
जिंदगी बिताती है।

फिर भी वो कुछ
नहीं करती किसी
के लिए ऐसे ताने
उसे सुनाई जाती है।

ना जाने क्यूं वो ऐसी,
जिंदगी बिताती है।

मां है ना इसीलिए वो
हर सितम सह जाती है,
अपनों को उसकी कदर
कहां इसीलिए तो वो
अकेली रह जाती है।

ना जाने क्यूं वो खुद को
मतलबी नहीं बना पाती,
मां है ना इसलिए उसके
दिल में ममता कहीं -न-
कहीं रह ही है जाती ।

बस यही कमजोरी
है उसकी, इसलिए
तो वो अपनों को
छोड़ नहीं पाती हैं।

लेकिन अपनों को
उसकी कदर कहां,
इसलिए तो वो अकेली
रह जाती हैं।

ना जाने क्यूं वो
ऐसे जिंदगी बिताती हैं।

प्रबंध विज्ञान के छात्र का बायजुस कंपनी में चयन

विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्र हर्षवर्धन सिंह का चयन भारत की सबसे बड़ी एडु-टेक कंपनी बायजुस में व्यवसाय विकास प्रशिक्षु पद पर हुआ है। जिसके लिए कंपनी द्वारा दस लाख रुपये वार्षिक पैकेज का ऑफर किया गया है. हर्षवर्धन 2019-21 बैच के एमबीए के छात्र है. वर्तमान में कंपनी द्वारा उन्हें ट्रेनिंग के लिए कोलकाता भेजा गया है. ट्रेनिंग के बाद हर्षवर्धन की पोस्टिंग पटना में होगी। हर्षवर्धन, गोपालपुर, मोतिहारी के निवासी है। उनकी इस सफलता पर उनके पिता ई. विभूति नारायण सिंह ने काफी प्रसन्नता जताई. इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने बधाई दी और उनके मंगल भविष्य की कामना की हैं । प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने भी शुभाशीष दिया। वहीं वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि इतने कम समय में ही विभाग ने अपने छात्र-छात्राओं के अंदर न सिर्फ अकादमिक योग्यता बल्कि जिम्मेदारियों को स्वीकार करने का गुण भी पैदा किया है, जिसका परिणाम यहां के छात्रों के लगातार हो रहे प्लेसमेंट के रूप में सामने आ रहा है। यह पूरे विवि के लिए गौरव की बात है। यह सफलता आगे के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का काम करेगी। प्रबंधन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो सुधीर कुमार साहू ने भी विभाग के छात्र की इस उपलब्धि के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। विभाग की डॉ. सपना सुगंधा, डॉ. अलका लल्हाल, अरुण कुमार, डॉ. स्वाति कुमारी ने बधाई दी. साथ ही विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में प्रसन्नता की लहर हैं।

गांधी जयंती
2 अक्टूबर

विश्व डाक दिवस
9 अक्टूबर

राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
11 नवंबर

विश्व टेलीविजन दिवस
21 नवंबर

राष्ट्रीय संविधान दिवस
26 नवंबर

प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्र का रुद्राक्ष सिरेमिक कंपनी में चयन

विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्र अमित कुमार तिवारी का चयन रुद्राक्ष सिरेमिक कंपनी में क्षेत्र प्रबंधक के पद पर हुआ है। वर्तमान में कंपनी द्वारा पोस्टिंग कोटा, राजस्थान में किया गया है। जिसके लिए कंपनी द्वारा तीन लाख रुपये वार्षिक पैकेज का ऑफर किया गया है। अमित 2019-21 बैच के एमबीए के छात्र है और भरकुरिया, गोपालगंज के निवासी है। अमित का कंपनी में चयन होने पर उनके पिता मनोज कुमार तिवारी ने प्रसन्नता जताई। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने बधाई दी और उनके मंगल भविष्य की कामना की हैं। प्रो. शर्मा ने कहा कि अमित का चयन विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव की बात है। प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने भी शुभाशीष दिया।वहीं वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि विवि बहुत कम समय में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। निरन्तर यहां के छात्रों का विभिन्न कंपनी एवं संस्थानों में चयन की खबर विवि के उन्नति का प्रमाण है। यह पूरे विवि के लिए गौरव की बात है। यह सफलता आगे के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का काम करेगी। प्रबंधन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार साहू ने भी विभाग के छात्र की इस उपलब्धि के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। विभाग की डॉ. सपना सुगंधा, डॉ. अलका लल्हाल, अरुण कुमार, डॉ. स्वाति कुमारी ने बधाई दी। साथ ही विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी अमित को बधाई दी।

पल्लवी कुमारी
बी.ए. जे.एम.सी. (द्वितीय सत्र)

आधुनिकता में जिंदगी

आधुनिकता में ये जिंदगी,
तकनीकी के बीच खडा है ।
फिर भी भाग दौड़ के इस युग में,
अपनों के साथ बिताने को कुछ पल कहां है।
दुनिया वैश्विक गांव बनी,
पर फासले अभी कम कहाँ है ।
समाचार पत्र भी सेहत के टिप्स से भरा है,
पर पढने के लिए वक़्त कहाँ हैं|
अपनों का हाल-चाल भी,
मैसेज से ही हो जाता है ।
तकनीकी ने दुनिया को जोड़ा,
पर फासले अभी कम कहां है |
नदियों के ऊपर पुल बनें और बनीं है
सड़कें,
फिर भी रिश्ते सोशल मीडिया पर, हैं
आकर अटकें ।
रिश्तों को सिंचित करने का हमारे पास
अब वक्त कहां है |
फासले अभी कम कहां है |
आज के आधुनिकता में,
जिंदगी को अब चैन कहां है |
कोलाहल और भागदौड़ में,
यादों में कुछ पल गुजारने का वक्त कहां है |
दुनिया वैश्विक गांव बनी,
पर फासले अभी कम कहां है |

एमबीए की छात्रा का सेनेटरी पैड बनाने का स्टार्टअप

विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग की छात्रा आभा कुमारी ने महिलाओं की सेनेटरी पैड बनाने की कंपनी "न.1 हेल्थ केयर" की शुरुआत सोमवार, 18 अक्टूबर को किया. आभा 2019-21 बैच की एमबीए की छात्रा है. इस शुरुआत के लिए हरसिद्धि निवासी आभा के पिता देवीलाल शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की. यह प्रबंधन विज्ञान विभाग के साथ-साथ केविवि की बहुत बड़ी उपलब्धि है. प्रबंधन विज्ञान विभाग द्वारा लगातार एमबीए में उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है. इसका परिणाम है कि अभी विवि के मात्र पांच वर्ष ही पूरे हुए है और इस पांच वर्ष में ही प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्रा द्वारा पहला स्टार्टअप प्रारंभ किया गया है. इस उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की और आभा कुमारी को उनके मंगल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रति कुलपति प्रो. जी. गोपाल रेड्डी ने भी बधाई दी। वहीं वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पवनेश कुमार ने बताया की यह हमारे लिए खुशी की बात है की हमारे विद्यार्थी केवल अकादमिक ही नहीं बल्कि व्यवसाय में भी बेहतर कर रहे है. उन्होंने आभा को बधाई देते हुए कहा कि वे एक ऐसे विषय पर कार्य कर रही हैं, जिस विषय पर बहुत सारे लोग काम करने में संकोच करते है. वे एक सामाजिक बदलाव और क्रांति की दिशा में काम कर रही है. प्रबंधन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार साहू ने भी विभाग के छात्र की इस उपलब्धि के लिए प्रसन्नता व्यक्त किया और कहा कि यह विभाग के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का विषय है. विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सपना सुगंधा सहायक प्रोफेसर डॉ. अलका लल्हाल, अरुण कुमार, डॉ. स्वाति कुमारी ने बधाई दी. साथ ही विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने खुशी व्यक्त की।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

परिसर प्रतिबिंब

Azadi Ka Amrit Mahotsav

पंचम स्थापना दिवस समारोह की झलकियां

अक्टूबर/ नवंबर (संयुक्तांक), 2021 | 8

संपादकीय

मुख्य संरक्षक
प्रो. संजीव कुमार शर्मा
माननीय कुलपति

संरक्षक
प्रो. जी. गोपाल रेड्डी
माननीय प्रति कुलपति

मार्गदर्शक
प्रो. राजीव कुमार
प्रो. विकास पारीक
डॉ. अंजनी कुमार झा

संपादक
डॉ. साकेत रमण

सलाहकार संपादक
प्रो. पवनेश कुमार
डॉ. नरेंद्र सिंह
डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र
डॉ. सुनील दीपक घोड़के
डॉ. उमा यादव
सुश्री शेफालिका मिश्रा

डिज़ाइन - लेआउट
जाह्नवी शेखर

समाचार संपादन
विकास कुमार
आशीष कुमार
आर्यन राज
अंकिता कुमारी

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय